# भारत को राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सबसे अधिक जरूरत : कुलपति

## देश के विभिन्न कालेजों से लगभग 150 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

- सरिया कालेज में दस दिवसीय आनलाइन प्रशिक्षण शुरू
- विश्वस्तरीय क्यू एस रैंगिंग में स्थान के लिए होनी चाहिए कोशिश

संस, जागरण● सरिया : सोमवार को सरिया कालेज में दस दिवसीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति कार्यक्रम के तहत शिक्षकों का प्रशिक्षण शुरू हुआ। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से प्रायोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आधारित इस कार्यक्रम का आयोजन सरिया कालेज व राष्ट्रीय शैक्षिक योजना प्रशासन संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में किया गया है।

प्रथम दिन उद्घाटन सत्र का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य रूप से विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा और नीपा की कुलपति प्रो शशिकला बंजारी, डा. अमित गौतम, निदेशक, मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर, डा संतोष कुमार लाल, प्राचार्य उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा ने अपने उद्घाटन संबोधन में सबसे पहले सरिया कालेज के प्रयास की सराहना की। साथ ही कहा कि इन्होंने उच्च शिक्षा के विकास के लिए इस तरह के कार्यक्रम को चुना। आज भारत को राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सबसे अधिक जरूरत है। आज की उच्च शिक्षा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रयासों को प्रयोग में लेकर समाज, छात्र, शिक्षण संस्थान आदि का समुचित विकास कर सकता है। उन्होंने भारत के शैक्षणिक संस्थानों को विश्व स्तरीय क्यू एस रैंकिंग में स्थान पाने के प्रयासों को भी साझा किया।

प्रो शशिकला बंजारी ने कहा कि शिक्षक जन्मजात नहीं होते बल्कि वो लगातार मेहनत से अपने मुकाम को हासिल करते है ताकि अच्छे गुरु और शिष्य का संबंध स्थापित हो सके। प्रथम दिन के रिसोर्स पर्सन के रूप में प्रो मधुमिता बंधोपाध्याय ने आधुनिक शिक्षा के क्षेत्र में रिसर्च के महत्व के बारे में पीपीटी के माध्यम से विस्तार पूर्वक समझाया। सरिया कालेज की तरफ से डा श्वेता, अरुण कुमार, रवींद्र कुमार मिश्रा, असीत दिवाकर, अलका रानी जोजो ने हिस्सा लिया।

दैनिक भास्कर गिरिडीह भास्कर 11-11-2025

# सरिया कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आधारित कार्यक्रम में शिक्षाविदों ने रखे विचार, बताया महत्व

## नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा 10 दिवसीय ऑनलाइन ओरिएंटेशन एंड सेंसटाइजेशन कार्यक्रम

भास्कर न्यूज | सरिया

सरिया कॉलेज, सरिया में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आधारित 10 दिवसीय ऑनलाइन ओरिएंटेशन एंड सेंसटाइजेशन कार्यक्रम सोमवार को शुरू हुआ। यह कार्यक्रम सरिया कॉलेज, सरिया और राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। पहले दिन उद्घाटन सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के कुलपति प्रो. चंद्र भूषण शर्मा तथा नीपा की कुलपति प्रो. शशिकला बंजारी उपस्थित रहीं। इसके अलावा डॉ. अमित गौतम, निदेशक, मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर; डॉ. संतोष कुमार लाल, प्राचार्य, सरिया कॉलेज, सरिया; सहित कई शिक्षाविद कार्यक्रम में शामिल हुए। उद्घाटन सत्र की शुरुआत डॉ. चारू मल्लिक द्वारा अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। मुख्य अतिथि प्रो. चंद्र भूषण शर्मा ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि सरिया कॉलेज का यह प्रयास सराहनीय है कि उसने उच्च शिक्षा के विकास के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आधारित इस कार्यक्रम का आयोजन किया है। कहा कि आज भारत के लिए एनईपी की नीतियों को व्यवहार में लाना समय की मांग है, जिससे समाज, छात्र और शिक्षण संस्थान सभी का समग्र विकास संभव होगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भारत के विश्वविद्यालयों को विश्व स्तरीय क्यूएस रैंकिंग में स्थान दिलाने के लिए प्रयास जारी हैं। प्रो. शशिकला बंजारी ने कहा कि शिक्षक जन्मजात नहीं होते, बल्कि निरंतर परिश्रम और प्रशिक्षण से वे अपने ज्ञान, कौशल एवं व्यक्तित्व को निखारते हैं, ताकि गुरु-शिष्य के बीच सशक्त संबंध स्थापित हो सके। प्रथम दिवस की रिसोर्स पर्सन प्रो. मधुमिता बंधोपाध्याय ने "आधुनिक शिक्षा में अनुसंधान (रिसर्च) के महत्व" विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने पीपीटी के माध्यम से विषय को विस्तारपूर्वक समझाया। कार्यक्रम में सरिया कॉलेज की ओर से डॉ. श्वेता, प्रो. अरुण कुमार, रवींद्र कुमार मिश्रा, असित दिवाकर, अलका रानी जोजो सहित देश के विभिन्न महाविद्यालयों से लगभग 150 प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े।

सरिया कॉलेज में ऑनलाइन ओरिएंटेशन कार्यक्रम में शामिल शिक्षाविद।